पत्रांक मु.स.24/02 रांची, दिनांक 28-09-2002

प्रेषक,
सरयू राय, स.वि.प.
अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य में लोक उपक्रमों के
गठन संबंधी नीति के लिये परामर्शदातृ समिति

सेवा में
श्री जी. कृष्णन,
मुख्य सचिव,
झारखण्ड सरकार, रांची

विषय- लोक उपक्रमों के गठन संबंधी नीति प्रारुप तैयार करने के बारे में,

महोदय,

इस विषय में कृपया दिनांक ०४-०६-२००२ को प्रेषित मेरे पत्र का कृपया स्मरण करेंगे, जो विकास आयुक्त के रुप में आपको प्रेषित है। इस पत्र में मैंने अनुरोध किया था कि परामर्शदातृ समिति ने प्रासंगिक जानकारियां एकत्र करने का कार्य पूरा कर लिया है। अतः इस माह के अन्त तक नीति प्रारुप सरकार को सौंप दिया जाना श्रेयस्कर होगा। तदुपरान्त समिति की एक बैठक ०८-०७-२००२ को हुई जिसमें निर्णय हुआ कि अबतक हुए विमर्श के आलोक में ड्राफ्ट रिर्पोट दो सप्ताह के भीतर तैयार कर लिया जायेगा।

आपको स्मरण होगा कि कुछ दिन पहले दिनांक ०७-०८-२००२ को माननीय उच्चन्यायालय ने इस बारे में एक फैसला दिया है जो रांची से प्रकाशित समाचार पत्रों में दिनांक ०८-०८-२००२ को प्रकाशित हुआ है। समाचारों से प्रतीत होता है कि माननीय उच्चन्यायालय ने तान माह के भीतर समिति से रिर्पोट देने की अपेक्षा की है और कहा है इस अवधि में रिर्पोट नहीं सौंपी जाने पर समिति को भंग मान लिया

Scanned with OKEN Scanner

जायेगा। आपको स्मरण होगा कि जिस दिन समाचार पत्रों में यह खबर प्रकाशित हुई थी उसके अगले दिन आपसे मिलकर मैने इस ओर आपका ध्यान आकृष्ट किया था परन्तु अबतक इस विषय में किसी प्रगति की सूचना मुझे नहीं है।

मेरे साथ समस्या है कि अध्यक्ष नामित होने के बावजूद न तो समिति के बैठने और न तो कार्य करने के लिये कोई स्थान नियत है और न किसी प्रकार की सचिवालयीय सुविधाये ही समिति के लिये चिन्हित हुई हैं। ऐसी स्थिति में या तो सरकार ड्राफ्ट रिर्पोट तैयार कराने की व्यवस्था समिति को उपलब्ध कराये या मै स्वंय अपनी ओर से आवश्यक व्यवस्था कर ड्राफ्ट रिर्पोट तैयार कर दूँ और समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत कर दूँ। इसके लिये भी आवश्यक होगा कि अबतक हुये विमर्श और एकत्र दस्तावजों की प्रति मुझे मुहैया करा दिया जाय। एक अन्य विकल्प यह भी है कि समिति प्रतिवेदन तैयार करने का अपना दायित्व पूरा नहीं करे और न्यायालय के निर्देशानुसार स्वतः भंग हो जाने की प्रतीक्षा करे।

आपसे अनुरोध है कि सरकार क्या विकल्प अपनाना चाहती है इस बारे में मुझे सूचित करने का कष्ट करेंगे। अगर यह सूचना मुझे इस माह के अन्त तक प्राप्त हो जाय तो कृपा होगी, ताकि मैं उपरोक्त विकल्पों के संबंध में अपने स्तर से योग्य निर्णय ले सकूं।

सधन्यवाद,

भवदीय

(सरयू राय)

Scanned with OKEN Scanner